Assam. Why should it not be allowed to be raised here?

THE DEPUTY CHAIRMAN: I cannot answer you on the floor of the House. You please come to the Chairman's chamber and we will find out. May be, it is under the consideration of the hon. Chairman. We will see how you can be accommodated. This is the procedure. Many Members seek permission to make Zero Hour submissions. Whatever can be accommodated are accommodated. Now, please take your seat. We will go ahead with the Zero Hour. Prof. Vijay Kumar Malhotra, please.

SHRI INDER KUMAR GUJRAL: Madam, I will just take a minute. I am very thankful to you for clarifying the distinction. But may I know what type of statements qualify for Zero Hour and what type of statements qualify for the other thing?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Gujral, I am not supposed to explain this. You please ask the hon. Chairman. *(Interruptions)* I cannot take the time of the House by speaking on this. The other day, to accommodate Members, we did not have the lunch recess. We asked the hon. Members of the panel of Vice-Chairman not to go for lunch, but to sit and accommodate everybody. As far as the Chair is concerned, we try to accommodate everyone, as far as possible.

SHRI INDER KUMAR GUJRAL: We are thankful to you for that, Madam.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You have to thank not me, but the Vice-Chairman, Miss Saroj Khaparde, who volunteered for it. I do not know whether she had lunch or not on that day. Now, can I ask Prof. Malhotra to start please?

Re: DECLINE IN HINDU POPULATION AS PER 1991 CENSUS

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली): उपसभापति महोदया, 1991 की जनगणना की रिपोर्ट प्रकाशित हुई। उस रिपोर्ट में धार्मिक आधार पर जनसंख्या की रिपोर्ट भी उसमें दी गई। पहली चिंता का विषय यह है कि पिछले दस सालों में देश की आबादी 23.79 प्रतिशत बढ़ी। यह बहुत बड़ी चिंता का विषय है कि खरबों रुपये खर्च करने के बाद भी हमारी जनसंख्या की प्रतिशत वृद्धि उतनी ही है जितनी 1950 के सालों में थी। खरबों-खरबों रुपये हमने खर्च किये लेकिन फिर भी यही हालत है। दूसरी चिंता का विषय है जो मैं सदन में रखना चाहता हूं वह यह है पिछले 40 सालों में लगातार कुल जनसंख्या के प्रतिशत में हिन्दुओं की जनसंख्या लगातार कम होती रही। इस समय नई जनगणना के मुताबिक उनकी संख्या 82 प्रतिशत रह गई। इस जनगणना में जम्मू-कश्मीर के आंकड़े सम्मिलित नहीं है क्योंकि जम्मू-कश्मीर में कोई जनगणना नहीं हुई। इस तरह की जनगणना रिपोर्ट का 1951 के आंकड़ों से मुकाबला किया जा सकता है। 1951 की जनगणना में भी जम्मू-कश्मीर के आंकड़े सम्मिलित नहीं थे। उन दोनों की अगर तुलना करें तो 1951 में हिन्दुओं की जनसंख्या इस देश के अंदर 84.99 यानी 85 प्रतिशत थी जो 1991 में कम होकर 82 प्रतिशत रह गई। 40 सालों में तीन प्रतिशत आबादी हिन्दुओं की कम हुई है और उसके मुकाबले मुस्लिम पापुलेशन जो 1951 में 9.93 प्रतिशत थी वह 1991 में बढ़ कर 12.2 प्रतिशत हो गई। मुख्य कारण इसका यह है कि बंगलादेश से घुसपैठ हो रही है। इसके कारण बहुत से प्रदेशों में असामान्य वृद्धि मुस्लिम पापुलेशन में हो रही है।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Which Census are you talking about?

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: It is the 1991 Census. 1991 की जनगणना रिपोर्ट जो प्रकाशित हुई है उसके मुताबिक हिन्दुओं की जनसंख्या बढ़ी है 22.78 प्रतिशत और मुस्लिम पापुलेशन 32.76 प्रतिशत ...(व्यवधान)

SYED SIBTEY RAZI (Uttar Pradesh): Madam, I am on a point of order. Just a minute, Mr. Malhotra. I am not trying to raise any controversy. पापुलेशन का सवाल है वह हमारी राष्ट्रीय जनसंख्या की नीति से जुड़ा हुआ है और जिस तरह से यहां जीरो आवर में इस प्रश्न को ट्विस्ट करके कि कैसे जनसंख्या बढ़ गई है और कैसे जनसंख्या कम हो गई है, मेरा ख्याल है इस का कोई उत्तर आता नहीं, उत्तर रिस्पोंड होता नहीं। यदि मेरे साथी को कोई चिंता है और वह इस पर बहस चाहते हैं। पापुलेशन पालिसी की वृद्धि पर तो इस पर अलग से डिसकशन कर सकते हैं। जहां तक मेरी सूचना है 1991 की जनगणना के हिसाब से मुस्लिम पापुलेशन

बढ़ी नहीं है, कम हुई है। यह सवाल बड़ा कंट्रोवर्सी का सवाल है इस के ऊपर बातचीत होनी चाहिए। इस के ऊपर चर्चा रखवाइये ताकि गवर्नमेंट इसके ऊपर आकर जवाब दे। **(व्यवधान)** इस तरह से पूरे देश में एक मैसेज भेज देने से इस देश के साथ अन्याय हो रहा है। इससे लगता है सरकार एक सेक्ट के साथ, एक रिलीजन के साथ लगी हुई है। यह एक बड़ा आक्षेप है। ऐसे सेंसेटिव इशु को नहीं उठाना चाहिए। **(व्यवधान)** इसको इस तरह से उठाकर जस्ट पार्सिंग वे करना मुनासिब बात नहीं है। हम खतरनाक हालात से गुजर रहे हैं। **(व्यवधान)**

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: This is your report.

सैयद सिब्ते रज़ी: ऐसा सवाल नहीं रखना चाहिए। यदि आप बहस करना चाहते हैं तो हम बहस करने के लिए तैयार हैं। चेयर से आप रूलिंग दिलवा दीजिए बहस करने के लिए हम तैयार हैं। सरकार की तरफ से शार्ट ड्यूरेशन डिसकशन भी रखी जा सकती है या किसी और तरीके से भी इस पर बहस हो सकती है। मेरा आब्जेक्शन यह है जीरो आवर में इस तरह के प्रश्न नहीं उठाते चाहिएं।

†सैयद सिब्ते रज़ी: पापुलेशन का सवाल है वह हमारी नेशनेलिटी जिसको कंपोजिट कल्चर से जोड़ा हुआ है और जिस तरह से यहां "ज़ीरो आवर" में इस पर मशन को "टच" करके कि कैसे जिसको कंपोजिट कल्चर से जोड़ा गया है और जिस तरह से कैसे कम हो गयी है। मेरा ख्याल है इसका कोई जवाब आता नहीं। अक्सर सस्पेंड होता नहीं। अगर मेरे साथी कोई चाहते हैं और वह इस पर बहस चाहते हैं पापुलेशन बाय रिलीजन की निसबती बेस तो इस पर अलग से डिसकशन कर सकते हैं। जहां तक मेरी सोच है 1991 की जो सेंसस के हिसाब से मुस्लिम पापुलेशन बढ़ी नहीं है, कम हुई है। यह सवाल बड़ा कंट्रोवर्सी का सवाल है। इसके ऊपर बातचीत होनी चाहिए। इसके ऊपर चर्चा रखवाइये ताकि गवर्नमेंट इसके ऊपर आकर जवाब दे... "मदाखलत"... इस तरह से पूरे देश में एक मैसेज भेज देने से इस देश के साथ अन्याय हो रहा है। इससे लगता है सरकार एक सेक्ट के साथ, एक रिलीजन के साथ लगी हुई है। यह एक बड़ा आक्षेप है। ऐसे सेंसेटिव इशु को नहीं उठाना चाहिए... "मदाखलत"... इसको इस तरह से उठाकर जस्ट पार्सिंग वे करना मुनासिब बात नहीं है। हम खतरनाक हालात से गुजर रहे हैं... "मदाखलत"...

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: This is your report.

†सैयद सिब्ते रज़ी: ऐसा सवाल नहीं रखना चाहिए। यदि आप बहस करना चाहते हैं तो हम बहस करने के लिए तैयार हैं। चेयर से आप रूलिंग दिलवा दीजिए बहस करने के लिए हम तैयार हैं। सरकार की तरफ से शार्ट ड्यूरेशन डिसकशन भी रखी जा सकती है या किसी और तरीके से भी इस पर बहस हो सकती है। मेरा आब्जेक्शन यह है जीरो आवर में इस तरह के प्रश्न नहीं उठाते चाहिएं।

†[] Transliteration in Arabic Script.

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: 1991 की जो रिपोर्ट है वह मैं आपके सामने पढ़ रहा हूं।

SHRI INDER KUMAR GUJARAL (BIHAR): Madam, a while ago. I requested you to clarify what type of items were permitted in the Zero Hour. I have great respect for my colleague. Prof. Vijay Kumar Malhotra, but, I think, this issue is being presented in a way that can cause only pain, agony and a great deal of concern in the country.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: Yes, that is my function. That is what I am trying to do. This matter is of the greataest agony. यह आप लोगो की समझ में नहीं आ रहा है इसलिए मैं एक्सप्लेन करना चाहता हूं कि ये बंगलादेश से आने वाले लोग है ...(व्यवधान)

SYED SIBTEY RAZI: it should be discussed in a proper way. The Zero hour is not for all these things...*(Interruptions)*

I will tell you how the Muslim population has gone down. (Interruptions) I will explain when it is discussed.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West bengal): Madam, can I make a small submission? *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me handle it. *(Interruptions)*

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, the issue being raised is too sensitive and the House cannot be allowed ...*(Interruptions)* Madam, I have one more sentence to say.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, I have only to say that if important things like this are allowed to be placed like this, then the fall-out from such a discussion will be very ominous for the country. Either you have a fullfledged discussion or do not allow it, at all *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: O.K. I have heard it. You please sit down.

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): It should not be permitted, Madam.

प्रो॰ विजय कुमार मल्होत्रा: मैं यह कोई अपने आंकड़े नहीं दे रहा हूं। यह जो रिपोर्ट है, इससे मैं इसको पढ़ रहा हूं।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: This is not the way to discuss it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please, let us have some peace in the House. Chairman Saheb has permitted it in his own wisdom. We are concerned about the population of the entire country, but Members feel that if it is hurting someone and if somebody is disputing the figures, I will put it before the Chairman that this is a dispute on the figures. I do not know, because I do not have the figures. You have got the Census papers.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: I am quoting the figures from the Census Report.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not disputing your words or his, because very honestly I have not read the Census figures. So, I cannot say on that. Therefore, I would like the hon. Members to have restraint. We are all very concerned about the increase of the entire population of the country, because it is eating ...*(Interruptions)* Gurudas Das Gupta Ji, please. I think we should have some courtesy in the House. Otherwise you run it. Fine. Go and ask the Chairman as to why he gave the permission. When the Chairman gave the permission, I do not question it while I am sitting in the Chair. I will convey the sentiments of the House. having said that I will request Mr. Malhotra not to make it as if only a section of the population is increasing, why it is increasing. Could you explaing it properly, because there are misconceptions that the population is increasing because of so many other reasons? It is much better to explain. I am one of the persons who would like to discuss the entire population increase, the population policy to be discussed on the floor of the house in every session, so that all of us are able to control the numbers in whichever way we can.

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: यह बड़ा मुश्किल है। जब कभी मैं बोलने लगता हूं तो ये बीच में खड़े हो जाते है। हमने इन्हें कभी अपनी बात कहने से नहीं रोका। लेकिन हम जब बोलना चाहते हैं तो ये बीच में खड़े हो जाते हैं। This is something very wrong.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry): I do not know why he is very much concerned about a particular community.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, I am not opposed to any sensitive issue being discusse.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: I am only reading from this. जयपाल जी, जब अपनी बात कहना चाहते है तो हर बार आप हमे रोक देते है। This is something very unfair. हमने आपको कभी नहीं रोकने की कोशिश की। उस दिन आपने सवाल उठाया ... **(व्यवधान)**...

आप ...**(व्यवधान)**... आप बाबरी मस्जिद का सवाल उठाते है, ज्ञानज्योति का सवाल उठाते है, हम कुछ नहीं कहते है। लेकिन जब हम सवाल उठाते है तो आप हमें नहीं बोलने देते । ...**(व्यवधान)** We have never obstructed.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, I want the entire 1990-91 Census results to be discussed. But I am opposed to any sectional discussion. *(Interruptions)* I am for debate on the entire Census Report.

SHRI SATISH AGARWAL (Rajasthan): Madam, I am on a point of order.

SHRI S. JAIPAL REDDY: He cannot quote selectively from data and make a biased interpretation during the Zero Hour submission to create misunderstanding among the people of India. I am for a debate. ..*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: We should have a debate. Let him finish. ...*(Interruptions)*...

SHRI SATISH AGARWAL: Madam, I am on a point of order. ....*(Interruptions)*....

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, if he makes a statement, please allow us to speak. You are within your right to allow us to speak. ...*(Interruptions)*...

SYED SIBTEY RAZI: Madam, I have a submission to make. Since it is a very sensitive issue, we will approach the Chairman and would request him to allow a discussion on this subject in any form. But this is not the way to discuss it. For political purposes. ..*(Interruptions)*.... You should not permit like this. ..*(Interruptions)*... This is a national issue.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, let him speak, but kindly allow us also to speak. That is within your right. ..*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now that he has the permission, I will allow him.

SHRI SATISH AGARWAL: Madam, I am on a point of order.

SYED SIBTEY RAZI: Madam, you should try to understand the sentiments of the whole House. We are ready to discuss but at present it should be postponed because it is a very sensitive issue. ..*(Interruptions)*...

SHRI DIGVIJAY SINGH (Bihar): It is not a very sensitive issue. ..*(Interruptions)*...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. Let him finish.

SHRI V. NARAYANASAMY: He will never finish.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let him complete.

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: उपसभापति महोदया, मैं कोई आंकड़े अपनी तरफ से नहीं देना चाहता। मैं तो सिर्फ जो यह गवर्नमेंट आफ इंडिया की रिपोर्ट है, उसके आंकड़े आपको पढ़ कर सुना रहा हूं और उस पर अपनी चिन्ता प्रकट कर रहा हूं। जिनको चिन्ता नहीं है वह इस बात को देख सकते है। मैंने सिर्फ आपसे यह कहा है। यह रिपोर्ट यह कहती है कि हिन्दुओं की पापुलेशन ..**(व्यवधान)** हिन्दुओं की जनसंख्या 1951 में 84.99

थी और आज 82 रही गई है। उसके आगे यह लिखा है कि 1981 और 1991 के बीच में हिन्दुओं की पापुलेशन 22 प्रतिशत बढ़ी, मुसलमानों की 32 प्रतिशत बढ़ी। मैं यह कहना चाहता हूं कि यह घुसपैठ का नतीजा आप देखिये। दिल्ली की पापुलेशन के आंकड़े यह कह रहे हैं, यह कोई मेरी बात नहीं है, दिल्ली के अन्दर यहां पर 1981 और 1991 के बीच में मुसलमानों की पापुलेशन 84.65 प्रतिशत बढ़ी है **(व्यवधान)** सुन तो लिया करो **(व्यवधान)** I am talking of that only. ..*(Interruptions)*...

SYED SIBTEY RAZI: About Delhi, we cannot discuss like this. We cannot discuss about Delhi in isolation. We should discuss the population problem pertaining to the whole country.

SHRI V. NARAYANASAMY: For the sake of religion they are bringing the issue of Hindus alone.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I do not know what he is talking about.

श्रीमती सरला महेश्वरी (पश्चिमी बंगाल): भेदभाव क्यों पैदा करना चाहते हैं ..**(व्यवधान)**

श्रीमती कमला सिन्हा (बिहार): उन्होंने जो आपत्तिजनक बातें कही हैं उनको डिलीट करवाया जाए ..**(व्यवधान)**

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SMT. MARGARET ALVA): Madam, ...*(Interruptions)*.

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Minister wants to say something. *(Interruptions)*. The Minister wants to say something.

SMT. MARGARET ALVA: Madam, because there are so many speakers, let there be a short-duration discussion. *(Interruptions)*. They can move, in the Business Advisory Committee for a short-duration discussion. The BAC is meeting today. Please move for a short-duration discussion on population. *(Interruptions)*.

THE DEPUTY CHAIRMAN: All right. *(Interruptions)*. Just a second. *(Interruptions)*.

SHRI JIBON ROY (West Bengal): It is unfair....*(Interruptions)*.

THE DEPUTY CHAIRMAN: One second, please. *(Interruptions)*.

SHRI V. NARAYANASAMY: Ours is a secular country. All religions are equal. Why is he talking about one particular religion?

श्री कैलाश नारायण सारंग (मध्य प्रदेश): आपको क्या अधिकार है बोलने का ..**(व्यवधान)** घुसपैठियों की, विदेशियों की वकालत क्यों कर रहे हो ..**(व्यवधान)**

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी: बिहार और यू०पी० से आए हुए लोग घुसपैठिए कैसे हो गए ..**(व्यवधान)**

†مولانا عبیداللہ خاں اعظمی: بہار اور یو-پی سے آئے ہوئے لوگ گھسپیٹیے کیسے ہو گئے ... مداخلت ...]

SHRI V. NARAYANASAMY: Let us discuss the population problem as a general issue. *(Interruptions)*.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. *(Interruptions)*

SHRI JIBON ROY: It is not just one community. *(Interruptions)*.

People from both the communities. ...*(Interruptions)*.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Jibon Roy, please sit down.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: I am only reading the figures. *(Interruptions)*. मैं सिर्फ आंकड़े पढ़ रहा हूं ..**(व्यवधान)** मैं सिर्फ फिगर्स पढ़ रहा हूं, उसके अलावा कुछ नहीं है ..**(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing. *(Interruptions)*.

†[] Transliteration in Arabic Script.

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: मैं सिर्फ फिगर्स पढ़ रहा हूं और कुछ नहीं ..**(व्यवधान)**

उपसभापति: आप बैठिए ..**(व्यवधान)**

If you do not sit down, I am going to adjourn the House.

I cannot run the House this way. *(Interruptions)*.

SHRI DIGVIJAY SINGH: Madam, please do not adjourn.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will, if all of you do not sit down. I will go and ask the Chairman. If Members are not going to listen, I am going to adjourn the House and ask the Chairman. *(Interruptions)*. If everybody does not keep quiet, I will adjourn the House. I will ask the Chairman. *(Interruptions)*., I have sent a word through the Secretary-General. *(Interruptions)*. If I should not adjourn, why don't you sit down? *(Interruptions)*.

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: ये दिल्ली के नहीं बंगाल के आंकड़े हैं। बंगाल में 40 परसेंट मुस्लिम पापूलेशन बढ़ी है..

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, ...*(Interruptions)*.

SHRI V. NARAYANASAMY: Let us discuss the population issue as a whole, not any particular religion or community. *(Interruptions)*.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, I have a submission.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No submission. I will not listen to any submission. *(Interruptions)*. I am not listening to any submission. *(Interruptions)* Please sit down. *(Interruptions)* I am not listening to anything. *(Interruptions)* **अब आप बैठ जाइये। ....(व्यवधान)**

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, the Parliamentary forum is being abused. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Zero Hour is over. *(Interruptions)* Nothing is going to be discussed now. *(Interruptions)* Nothing is going on record on this subject. *(Interruptions)*

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: सिर्फ दो मिनट ....**(व्यवधान)**

उपसभापति: आप बैठ जाइये। **(व्यवधान)** आप बैठिए। **(व्यवधान)** Nothing is going on record on this subject. *(Interruptions)* Zero Hour is over. *(Interruptions)* I cannot go on like this. *(Interruptions)* Please sit down. *(Interruptions)* I sent a word to the hon. Chairman and I was informed by the Secretary-General that if the entire House or a part of the House is objecting to it, he will discuss this matter in the Business Advisory Committee and then decide it. *(Interruptions)* No, he has withdrawn it. *(Interruptions)* You go and ask him. That is what the Secretary-General told me. *(Interruptions)* **आप मेरी बात सुनिए। (व्यवधान) आप बैठिए। ....(व्यवधान)**

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA:. No, no. *(Interruptions)*

THE DEPUTY CHAIRMAN: Secretary-General, you get up and say what the Chairman told you. *(Interruptions)* I am not saying that. *(Interruptions)* It is the Chairman who has said it. *(Interruptions)* Okay, then you speak. I do not know. *(Interruptions)* Don't ask me. *(Interruptions)* **आप उनसे पूछिए। ....(व्यवधान).... आप मुझसे मत कहिए। (व्यवधान)** I am not concerned. *(Interruptions)* I announced in the morning that at 12.30, I will start the Special mentions. It is 12.30 now. *(Interruptions)* If you do not stop, fine. *(Interruptions)* I will adjourn the House. I am telling you. *(Interruptions)* I adjourn the House for lunch till 2.00 P.M.

The House then adjourned at Thirty-five minutes past twelve of the clock.

The House reassembled after lunch at four minutes past two of the clock, THE DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): Madam, what about the Zero Hour?

उपसभापति: जीरो आवर हो गया, और सब जीरो मत कीजिए।

SHRI JOHN F. FERNANDES: Madam, we will have it tomorrow.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes. Mr. Karunakaran, you wanted to say something.

MOTION FOR REFERENCE OF THE TRADE MARKS BILL, 1995 TO SELECT COMMITTEE OF THE RAJYA SABHA

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI K. KARUNAKARAN): Madam Deputy Chairman, last Monday I mentioned about the discussion with all the political parties in the House. We had met once in your Chamber, Madam. Again today we continued our discussion and we came to a settlement. A unanimous decision is taken to have a committee. We will be finalising it today itself. On the basis of that we have decided to refer the Bill to a Select Committee. If you permit me, I will submit the list today itself after some time.

SHRI JOHN F. FERNANDES: Madam, is it regarding the Trade Marks?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Yes, this is relating to the discussion which had taken place in the House, when Mr. Karunakaran had a discussion in my Chamber, where leaders of various political parties and their groups had come, a couple of days ago. He had said that he would come back to the House on Monday and give his decision. Now I have the list before me. I will show it to the Chairman and I would like the Chairman also to see it because some names came after the Chairman left. I would not let the names be announced because they have come to us through their own political parties and groups. But, if the House so agrees, we will ask Mr. Karunakaran to move the motion to send the Bill to a Select Committee of the House. The list would be submitted subsequently to the House, if you agree. Mr. Karunakaran, you can move the motion.

SHRI K. KARUNAKARAN: Madam, I beg to move that the Bill to amend and consolidate the law relating to trade marks, to provide for registration and better protection of trade marks for goods and services and for the prevention of the use of fraudulent marks, as passed by the Lok Sabha be referred to a Select Committee of this House consisting of 21 Members.

The question was put and the motion was adopted.

SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR (Uttar Pradesh): The names of the Members of the Committee will be announced later?

THE DEPUTY CHAIRMAN: I think so because I would like to show the list to the hon. Chairman because some names came a little later. It is better that the Chairman sees all the names and he decides. Once he puts his signature, it can be circulated.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): What about the time?

THE DEPUTY CHAIRMAN: The time and everything will be subsequently notified to the Members. There is no problem about it.

CLARIFICATIONS ON STATEMENT BY MINISTER

SAARC Ministerial meeting held at Dhaka on 29-30, July, 1995

THE DEPUTY CHAIRMAN: In the morning Mrs. Basava Rajeshwari has laid a statement on the Table of the House. There were two names, Mrs. Sushma Swaraj and Mrs. Kamla Sinha.

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bengal): Madam, the copies are not circulated.